>

Title: Need for doubling the railway line between Meerut and Saharan pur.

श्री जगदीश सिंह राणा: महोदय, सदन के माध्यम से मैं आपके संज्ञान में लाना चाहूंगा कि मेरे संसदीय क्षेत्र नगर निगम सहारनपुर से जम्मू-कश्मीर तक और मेरठ से दिल्ली तक डबल रेलवे लाइन है, लेकिन आजादी के लगभग 64 साल बीत जाने के बाद भी नगर निगम सहारनपुर से टपरी मेरठ तक के बीच का हिस्सा मात्र जो 110 किलोमीटर का है, अभी तक वहां सिंगल रेलवे लाइन है। उक्त समस्या के बारे में लगातार 3 वर्ष से मैं रेल मंत्रालय, भारत सरकार को अवगत करा रहा हूं। वर्तमान रेलवे बजट 2012 में लगभग 300 करोड़ रूपये का आबंटन किया गया है, लेकिन अभी तक रेलवे लाइन के दोहरीकरण के लिए कोई निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। सहारनपुर से दिल्ली तक की दूरी लगभग 170 किलोमीटर है, जिसको पूरा करने के लिए दो घंटे का समय ही पर्याप्त है, लेकिन इस दूरी को तय करने में अधिकतर रेलगाड़ियां चार-पांच घंटे देरी से पहुंचती हैं। दिल्ली से मेरठ-सहारनपुर-हरिद्वार, उत्तराखंड की राजधानी देहरादून का मात्र एक ही रेल मार्ग है।

सहारनपुर एशिया का वुड कारविंग का सबसे बड़ा बाजार है, जहां से दूसरे देशों को लकड़ी के सामान का निर्यात काफी अधिक मात्रा में होता है। सहारनपुर-मेरठ रेलवे लाइन पर देवबंद में दारूल-उलूम मुस्लिम समाज की शिक्षा अध्ययन का एशिया का सबसे बड़ा केंद्र है। सहारनपुर रेलवे स्टेशन के निकट लगभग 50 मीटर दूरी पर रेलवे लाइन के ऊपर पुल का निर्माण लगभग पांच सालों से निर्माणाधीन है। उपरोक्त पुल का निर्माण कार्य पूर्ण न होने का क्या कारण है?

19.00 hrs

सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर एक साईड से ही यात्रियों को आने-जाने की व्यवस्था की है जिससे अत्यधिक भीड़ जमा होने से किसी भी अप्रिय घटना का भय बना रहता है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Please take your seat now.

श्री जगदीश सिंह राणा: सहारनपुर रेलवे स्टेशन के द्वितीय द्वारा पर कोई पुल नहीं है जिससे यात्री दूसरी साइड से प्लेटफार्म पर सीधे आ सके। सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर द्वितीय द्वार के आरक्षण केन्द्र पर मात्र एक रेलवे कर्मचारी ही सुबह 9 से 5 बजे तक कार्यरत है जिसके कारण क्षेत्रवासियों को टिकट व आरक्षण के लिए पूरा-पूरा दिन लाईन में लगा रहना पड़ता है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing else will go on record.

*(Interruptions)**